CHAPTER 3 :-

गिल्लू

Page 23

शब्दार्थ या कष्ट शब्द

सोनजुही - एक प्रकार का फूल
अनायास - अचानक
जीव - प्राणी
सघन - घना
हरीतिमा - हरियाली
लघुप्राण - छोटा जीव
स्वर्णिम - सुनहरी
छुआ छुऔवल - चुपके से छूकर छुप ज
काकभुशुंडि - कौआ
समादरित - विशेष आदर प्राप्त
अनादरित - जिसे अपमान मिला हो
अवमानित - अपमानित
पुरखा - पूर्वज
पितरपक्ष - वह समय जब अपने मृत पूर्वजों को भोज
भोजन - न कराया जाता है।
अवतीर्ण - प्रकट
दूरस्थ - दूर रहने वाला
प्रियजन - प्रिय लोग
कर्कश - तीखा, कटु, कानों को न भाने वाला
असोनजुही - जूही (पुष्प) का एक प्रकार जो पीला होताहै
संभवतः - अवश्य ही
सुलभ : - आसान
काकद्वय - दो कौए
निश्चेष्ट - बिना किसी हरकत के

Page 24

हौले - धीरे
आश्वस्त - निश्चित
स्निग्ध - चिकना
विस्मित - आश्चर्यचकित